PRGI : APHIN/26/A3657

पेन पॉवर

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 1 अंक - 12 गुरुवार, जुलाई 16, 2026 विशाखापट्टनम संपादकः गंट्यादा अप्पाराव पृष्ठों. 4 मूल्य. 1रु

कृष्णा डेल्टा को न्याय दिलाने के लिए पट्टीसीमा परियोजना शुरू कीः मुख्यमंत्री चंद्रबाबू

(पेन पॉवर न्यूज): अमरावती, 15 जुलाईः आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने एनटीआर जिले के इब्राहिमपट्टनम में कृष्णा और गोदावरी नदियों के पवित्र संगम स्थल पर आयोजित जल हारती कार्यक्रम में भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में उन्होंने संगम स्थल पर विशेष पूजा–अर्चना की तथा जल को पुष्पमालाएं, वस्त्र, हल्दी और कुमकुम अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने पवित्र संगम पर जल हारती दी। इसके पश्चात प्रसिद्ध अभियंता डॉ. के. एल. राव की 124वीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के. एल. राव की प्रेरणा को हर गांव तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर रही है। उन्होंने कहा कि पट्टीसीमा परियोजना के माध्यम से लाई गई गोदावरी की जलधारा कृष्णा नदी तक पहुंचकर डेल्टा क्षेत्र को हरा–भरा बना रही है। उन्होंने यह भी कहा कि श्रीशैलम और नागार्जुन सागर में कृष्णा नदी से जल प्रवाह कम हो गया है।

उस निर्णय ने आंध्र प्रदेश को देश का अन्नपूर्णा बना दिया

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की फसलों को चक्रवातों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए पट्टीसीमा परियोजना शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि के. एल. राव ने श्रीशैलम, नागार्जुन सागर, हीराकुंड और कोसी जैसे प्रमुख बांधों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि के. एल. राव ने संयुक्त राष्ट्र की ओर से मिस्र और सूडान जैसे देशों में अंतरराष्ट्रीय जल विशेषज्ञ के रूप में भी सेवाएं दीं। विजयवाड़ा में जन्मे राव सांसद चुने गए और तीन प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे। उन्होंने सिंचाई और जलविद्युत क्षेत्र में देश को महत्वपूर्ण योगदान दिया। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सर आर्थर कॉटन द्वारा गोदावरी पर धवलेश्वरम बैराज और कृष्णा नदी पर कृष्णा बैराज का निर्माण किया गया, जिसने आंध्र प्रदेश को देश का अन्न भंडार बना दिया। उन्होंने कहा कि के. एल. राव ने इन परियोजनाओं का आधुनिकीकरण कर डेल्टा क्षेत्र को और समृद्ध बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिवरामकृष्णैया और के. एल. राव के बाद आंध्र प्रदेश की सिंचाई व्यवस्था के बारे में गंभीरता से सोचने वाले नेता एन. टी. रामाराव (एनटीआर) थे। उन्होंने इन सभी को राज्य के सिंचाई विकास की प्रेरणा बताया।

80 टीएमसी गोदावरी जल से हरा–भरा हुआ कृष्णा डेल्टा

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायलसीमा क्षेत्र को रेगिस्तान बनने से रोकने के लिए कई कदम उठाए गए। उन्होंने याद दिलाया कि के. एल. राव ने गोदावरी और कावेरी नदियों को जोड़ने का प्रस्ताव दिया था। उनका मानना था कि नदियों का परस्पर जुड़ाव भारत के लिए बड़े अवसर पैदा करेगा। उन्होंने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में गंगा–कावेरी नदी जोड़ो परियोजना के लिए एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था। वर्ष 2014 में राज्य विभाजन के बाद की परिस्थितियों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कृष्णा डेल्टा को न्याय दिलाने के उद्देश्य से उन्होंने बस में रहकर पट्टीसीमा परियोजना की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि 80 टीएमसी गोदावरी जल लाकर कृष्णा डेल्टा को समृद्ध और हरा–भरा बनाया गया। उन्होंने कहा कि कृष्णा की नीली जलधारा और गोदावरी की अरुण जलधारा के संगम ने इस क्षेत्र में समृद्धि लाई है। उन्होंने यह भी बताया कि औसतन हर वर्ष लगभग 2,000 टीएमसी गोदावरी जल समुद्र में चला जाता है।

महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए 'अभय' कार्यक्रमः वंगलपुडी अनिता

(पेन पॉवर न्यूज): अनकापल्ली, 15 जुलाईः आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता ने राज्य के लोगों से साइबर अपराधों के प्रति अत्यधिक सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए एक विशेष टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है।

बुधवार को गृह मंत्री ने अनकापल्ली जिले के वेम्पाडु टोल प्लाजा के निकट स्थित भारती कन्वेंशन में अभय कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने अभय कार्यक्रम के पोस्टर का भी अनावरण किया। सभा को संबोधित करते हुए वंगलपुडी अनिता ने कहा कि "महिलाओं की सुरक्षा दृ हमारी जिम्मेदारी" के नारे के साथ अनकापल्ली पुलिस ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्घाटन कर उन्हें बहुत खुशी हो रही है। उन्होंने याद दिलाया कि महिलाओं को अनेक संघर्षों के बाद स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। महिलाओं में आत्मविश्वास और साहस पैदा करने के लिए पुलिस ने अभय कार्यक्रम शुरू किया है।

मंत्री ने कहा कि सभी को कानूनों की जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि शक्ति ऐप और शक्ति टीमों के माध्यम से महिलाओं को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि माता–पिता अपने बच्चों की शिक्षा के लिए बहुत मेहनत करते हैं, इसलिए विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत कर उच्च स्थान प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने लड़कियों को साहसी बनने की सलाह दी और कहा कि यदि कोई उन्हें परेशान करता है तो तुरंत 112 पर कॉल करें। उन्होंने बताया कि कानून बहुत सख्त हैं और विद्यार्थियों को अपने सुनहरे भविष्य को बर्बाद न करने की चेतावनी दी। साथ ही, उन्होंने उन्हें बुरी आदतों से दूर रहने की सलाह दी।

आंध्र प्रदेश की गृह मंत्री ने कहा कि जीवन केवल एक बार मिलता है, इसलिए इसे खुशी से जीना चाहिए। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों के व्यवहार पर लगातार नजर रखने की अपील की और कहा कि शिक्षा ही जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सकती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक विद्यालय और महाविद्यालय में अभय शिकायत पेटियां स्थापित की जा रही हैं। मंत्री ने कहा कि अनकापल्ली जिले में बड़ी संख्या में ड्रोन का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने का आह्वान किया।

जनता की समस्याओं का समाधान ही सरकार का लक्ष्यः गृह मंत्री

गृह मंत्री वंगलपुडी अनिता ने कहा कि जनता की समस्याओं का समाधान करना सरकार का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने नक्कापल्ली स्थित अपने कैंप कार्यालय में जन शिकायत कार्यक्रम आयोजित किया और लोगों से आवेदन प्राप्त किए। उन्होंने लोगों से आत्मीयता से बातचीत की, उनकी समस्याएं सुनीं और कुछ मामलों का मौके पर ही समाधान किया। पायकारावपेट सहित जिले के विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री ने अधिकारियों को शेष समस्याओं का शीघ्र समाधान करने का निर्देश दिया। इस जन शिकायत कार्यक्रम में जिला, विधानसभा क्षेत्र तथा मंडल स्तर के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

साईकृष्णा मामलाः सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई 23 जुलाई तक टाली

नई दिल्ली, 15 जुलाईः गादे साईकृष्णा लॉकअप मृत्यु मामले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। इस मामले से संबंधित आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई की और अगली सुनवाई 23 जुलाई तक स्थगित कर दी। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ के समक्ष हुई। सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश सरकार की याचिका पर जवाब दाखिल करने के लिए प्रतिवादी और कृष्णालंका के निलंबित सर्किल इंस्पेक्टर (सीआई) नागराजू को एक सप्ताह का समय दिया।

विशेष जांच दल (एसआईटी) ने नागराजू की पुलिस हिरासत से संबंधित आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा लगाए गए कुछ शर्तों को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

हाईकोर्ट की शर्तों पर राज्य सरकार की आपत्ति

आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने अपने आदेश में निर्देश दिया था कि आरोपी के ट्रांजिट के दौरान पूरी प्रक्रिया की लगातार वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए। हालांकि, राज्य सरकार और एसआईटी अधिकारियों ने इन शर्तों पर आपत्ति जताई है।

आंध्र प्रदेश सरकार ने कहा कि लगातार वीडियो निगरानी से जांच की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि इससे जांच से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के सार्वजनिक होने का खतरा है। एसआईटी अधिकारियों ने यह भी तर्क दिया कि हाईकोर्ट की शर्तें साईकृष्णा के शव की तलाश और घटनास्थल के पुनर्निर्माण (सीन रिकंस्ट्रक्शन) जैसी महत्वपूर्ण जांच प्रक्रियाओं में बाधा बन रही हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अनुरोध किया कि मामले की व्यापक जांच के लिए आरोपी से बिना किसी अतिरिक्त शर्त के हिरासत में पूछताछ की अनुमति दी जाए। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने निलंबित सीआई नागराजू से जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई तक स्थगित कर दी। अगली सुनवाई में एसआईटी की मांग पर महत्वपूर्ण फैसला आने की संभावना है।

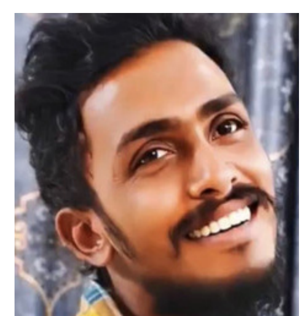

जगन कडप्पा पर लगा कैंसर का फोड़ा हैंः मंत्री नारा लोकेश

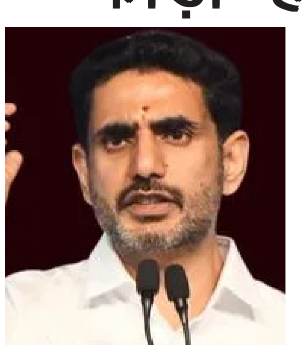

(पेन पॉवर न्यूज): कडप्पा, 15 जुलाईः आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआरसीपी अध्यक्ष वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी पर एक बार फिर तीखा हमला बोला। उन्होंने जगन को "कडप्पा पर लगा कैंसर का फोड़ा" बताया।

लोकेश ने कहा कि उन्होंने अपनी पदयात्रा के दौरान भी यह आरोप लगाया था कि जगन अपने ही चाचा वाई. एस. विवेकानंद रेड्डी की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं और आज भी वे उसी बात पर कायम हैं।

उन्होंने वाईएसआरसीपी को "हिट एंड रन पार्टी" करार देते हुए कहा कि यदि किसी पूर्व मंत्री के बेटे द्वारा सड़क दुर्घटना में किसी की मौत हो जाती है, तो क्या वह गलत नहीं है?

उन्होंने कहा, "एक केंद्रीय मंत्री के बेटे से गलती हुई तो मंत्री ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया। लेकिन जब आपके पूर्व मंत्री के बेटे से गलती हुई, तब आपने क्या किया? पहले भी जगन की गाड़ी के पहियों के नीचे आने से एक व्यक्ति की मौत हुई थी। ऐसे मामले शायद इनके लिए मामूली बात हों।"

ब्राह्मणी स्टील्स को भूमि आवंटन पर सवाल

लोकेश ने आरोप लगाया कि ब्राह्मणी स्टील्स को लगभग 11,000 एकड़ भूमि मात्र 19,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से आवंटित की गई थी। उन्होंने दावा किया कि इस परियोजना से केवल गाली जनार्दन रेड्डी और जगन रेड्डी को ही लाभ मिला। उन्होंने कहा कि सरकार कानूनी प्रक्रिया के तहत इन भूमियों को वापस अपने कब्जे में ले रही है।

जगन सरकार के कार्यकाल पर निशाना

मंत्री ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के रूप में अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में जगन कोई उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल नहीं कर पाए।

उन्होंने कहा कि वाईएसआरसीपी शासन के दौरान लगभग 250 मछुआरों की मृत्यु हुई, लेकिन उनके परिवारों को कोई मुआवजा नहीं दिया गया।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं को जनता की पहली पसंद बनाना ही लक्ष्यः मंत्री सत्य कुमार यादव

(पेन पॉवर न्यूज): विजयवाड़ा, 15 जुलाईः आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने कहा कि राज्य के आयुष क्षेत्र में 350 करोड़ रुपये के विकास कार्य तैयार हैं।

बुधवार को विजयवाड़ा के तुम्मलापल्ली कलाक्षेत्रम में आयोजित "औषधीय पौधे स्वास्थ्य का वास्तविक आधार हैं" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में भाग लेते हुए उन्होंने यह जानकारी दी।

मंत्री ने कहा कि सरकार आयुष क्षेत्र के बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए कदम उठा रही है। चार नए आयुष मेडिकल कॉलेज स्थापित किए गए हैं तथा धर्मवरम और पिठापुरम में आयुर्वेद कॉलेज संचालित हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक कॉलेज पर सरकार 70 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

छह एकीकृत आयुष अस्पताल होंगे शुरू

सत्य कुमार यादव ने बताया कि सरकार ने तिरुपति, तेनाली और नंदीगामा सहित छह एकीकृत आयुष अस्पतालों को मंजूरी दी है। प्रत्येक अस्पताल के लिए 20 करोड़ रुपये की निधि आवंटित की गई है। उन्होंने कहा कि 1,500 से अधिक आयुष डिस्पेंसरी का आधुनिकीकरण किया गया है। सरकार निवारक और वेलनेस स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दे रही है तथा 'संजीवनी' डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म लागू कर रही है।

मंत्री ने बताया कि अगले महीने केंद्रीय आयुष मंत्री के हाथों नई सुविधाओं के उद्घाटन की योजना बनाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार अश्वगंधा, सहजन (मोरिंगा) और आंवला की खेती को भी प्रोत्साहित कर रही है।

सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ रहा है जनता का भरोसा

मंत्री ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में ओपी (आउट पेशेंट) सेवाओं में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई है तथा गुंटूर सरकारी सामान्य अस्पताल (जीजीएच) में 255 ओपन हार्ट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि शैक्षणिक वर्ष 2026–27 के लिए अतिरिक्त 325 एमबीबीएस सीटें उपलब्ध कराई जाएंगी।

सत्य कुमार यादव ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर जनता का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गठबंधन सरकार का लक्ष्य सरकारी चिकित्सा सेवाओं को जनता की पहली पसंद बनाना है। इस कार्यक्रम में मंतेना सत्यनारायण राजू, अरोमैटिक प्लांट्स के सीईओ चंद्रशेखर तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि पोलावरम परियोजना को मार्च 2027 तक पूरा कर राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा और इसे आंध्र प्रदेश की जीवनरेखा बनाया जाएगा।

यही पानी आज कृष्णा डेल्टा को बचा रहा है

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कभी पट्टीसीमा परियोजना का मजाक उड़ाया गया था और इसे बेकार परियोजना कहा गया था, लेकिन आज यही पानी कृष्णा डेल्टा को बचा रहा है।

उन्होंने कहा कि यदि यह पानी नहीं आता तो कृष्णा डेल्टा की स्थिति क्या होती, इस पर सभी को विचार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि 2015 से 2025 के बीच लगभग 450 टीएमसी पानी स्थानांतरित किया गया, जबकि परियोजना पर केवल 1,300 करोड़ रुपये खर्च हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब संयुक्त आंध्र प्रदेश में हाईटेक सिटी बनाई गई थी तब भी उसकी आलोचना हुई थी, लेकिन साहसिक निर्णयों के कारण हैदराबाद आज आईटी क्षेत्र का प्रमुख केंद्र बना।

उन्होंने आरोप लगाया कि अमरावती को विश्वस्तरीय शहर बनाने के प्रयासों में भी कुछ लोग बाधाएं खड़ी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विपक्ष के कुछ नेताओं ने किसानों को उकसाकर अमरावती में सीड एक्सेस रोड निर्माण को रोकने की कोशिश की। इस कार्यक्रम में मंत्री निम्मला रामानायुडु, अनगानी सत्य प्रसाद, विधायक वसंथा कृष्ण प्रसाद, सांसद केसिनेनी शिवनाथ, पूर्व मंत्री देविनेनी उमामहेश्वर राव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जगन शासनकाल में रेत खनन अनियमितता मामलाः ईडी के सामने पेश होगा प्रमुख गवाह

नई दिल्ली, 15 जुलाईः आंध्र प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री वाई. एस. जगन मोहन रेड्डी के कार्यकाल के दौरान कथित अवैध रेत खनन मामलों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपना ध्यान केंद्रित किया है।

रेत खनन में कथित अनियमितताओं के आरोपों के बीच तीन प्रमुख कंपनियों के खिलाफ जांच तेज कर दी गई है। मामले के एक महत्वपूर्ण गवाह दंडा नागेंद्र कुमार को ईडी हैदराबाद जोनल कार्यालय ने समन जारी किया है।

यह नोटिस धन शोधन निवारण अधिनियम (च्डस्।) की धारा 50 के तहत सहायक निदेशक गजराज सिंह ठाकुर द्वारा जारी किया गया है। नागेंद्र कुमार को बुधवार को हैदराबाद स्थित ईडी कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया है।

प्रमुख गवाह से साक्ष्य मांग रही है ईडी

अमरावती निवासी दंडा नागेंद्र कुमार ने पहले आंध्र प्रदेश में कथित अवैध रेत खनन को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण और सुप्रीम कोर्ट में तत्कालीन वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ याचिकाएं दायर की थीं। इसी कारण ईडी उन्हें इस मामले का एक महत्वपूर्ण गवाह मान रही है। नागेंद्र कुमार द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर ईडी ने प्रतिमा इन्फ्रा, जयप्रकाश पावर वेंचर्स और जीसीकेसी प्रोजेक्ट्स के खिलाफ जांच शुरू की है। ईडी अधिकारियों ने उनसे इन कंपनियों की कथित अवैध रेत खनन गतिविधियों से संबंधित दस्तावेजी साक्ष्य उपलब्ध कराने को कहा है। साथ ही आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट की प्रतियां और खनन से जुड़े अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। ईडी ने स्पष्ट किया कि यह जांच पीएमएलए की धारा 50(2) और 50(3) के तहत न्यायिक प्रक्रिया के रूप में संचालित की जा रही है।

संपादकीय

कैंसर महामारी किस तरह बढ़ रही है?

कैंसर आज सार्वजनिक स्वास्थ्य के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। कोरोना, डेंगू और चिकनगुनिया जैसी संक्रामक बीमारियाँ अचानक फैलकर सैकड़ों–हजारों लोगों की जान लेती हैं, लेकिन कैंसर एक ऐसी महामारी है जो धीरे–धीरे, बिना शोर किए लोगों को अपनी चपेट में लेती है और हर साल दुनिया भर में लगभग एक करोड़ लोगों की मृत्यु का कारण बनती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (ॅभ्व्) की हालिया चेतावनी कि दुनिया में हर पाँच में से एक व्यक्ति कैंसर से प्रभावित है और लगभग 92 प्रतिशत लोगों को जीवन में कम–से–कम एक बार इस बीमारी का सामना करना पड़ सकता है, सरकारों, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों और आम जनता के लिए चिंता का विषय बन गई है। ये केवल आँकड़े नहीं हैं, बल्कि कैंसर के बढ़ते खतरे की चेतावनी देने वाली घंटियाँ हैं। दुनिया भर में हर वर्ष दो करोड़ से अधिक नए कैंसर मामलों का पंजीकरण हो रहा है, जबकि भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) के अनुसार भारत में ही लगभग 14 लाख लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं।

एक समय था जब कैंसर मुख्य रूप से वृद्धावस्था में होने वाली बीमारी माना जाता था। लेकिन शराब और तंबाकू के सेवन जैसी बुरी आदतों, अनियमित खान–पान तथा बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण अब यह बीमारी मध्यम आयु वर्ग के लोगों को भी प्रभावित कर रही है। अनुमान है कि हमारे देश में प्रत्येक एक लाख लोगों में से लगभग सौ लोग कैंसर से पीड़ित हैं। भारत में स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर, मुख कैंसर और फेफड़ों का कैंसर व्यापक रूप से फैल रहे हैं।

तंबाकू कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। भारत में हर वर्ष लगभग 77 हजार लोग मुख कैंसर से प्रभावित होते हैं, जिनमें से 52 हजार लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हो जाती है। सरकारों ने खतरे को देखते हुए गुटखा और खैनी जैसे तंबाकू उत्पादों पर प्रतिबंध लगाया है, फिर भी अवैध मार्गों से बाजारों में पहुँच रहे ये उत्पाद लोगों की जान ले रहे हैं।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि निम्न मध्यम वर्ग और गरीब तबकों में अभी भी कैंसर के प्रति पर्याप्त जागरूकता नहीं है। कई लोग हर्बल दवाओं या अपात्र चिकित्सकों के पास जाकर समय गंवा देते हैं और विशेषज्ञ डॉक्टरों तक देर से पहुँचते हैं, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाती है। डॉक्टरों का कहना है कि यदि कैंसर होने के तुरंत बाद मरीज चिकित्सकीय परामर्श लें, तो लगभग 40 प्रतिशत मामलों में उन्हें बचाया जा सकता है।

जीवनशैली में सुधार, संतुलित भोजन और तंबाकू तथा शराब जैसी बुरी आदतों से दूरी बनाकर कैंसर पर काफी हद तक विजय प्राप्त की जा सकती है। गरीबों के लिए कैंसर का उपचार सुलभ बनाने हेतु इस बीमारी को सार्वभौमिक स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। कैंसर की व्यापकता के बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि दुनिया के लगभग दो–तिहाई देशों ने अभी तक इसे अपनी बीमा योजनाओं में शामिल नहीं किया है।

कैंसर उपचार केंद्रों का राज्य की राजधानियों तक सीमित रहना और निदान सुविधाओं का केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित होना ग्रामीण जनता के लिए बड़ी समस्या बन गया है। बीमारी की बढ़ती व्यापकता को देखते हुए प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) में कैंसर जांच विभाग तथा प्रत्येक मंडल स्तर पर उपचार केंद्र स्थापित किए जाएँ, तो ग्रामीण क्षेत्रों में इस बीमारी पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

इस दिशा में तेलंगाना सरकार द्वारा उठाए गए कदम सराहनीय हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में कैंसर स्क्रीनिंग मोबाइल वाहनों की शुरुआत और कैंसर को ''आरोग्यश्री (Arogyasri)'' योजना में शामिल कर गरीबों को उपचार उपलब्ध कराना स्वागतयोग्य पहल है।

जैसे कैंसर के इलाज के लिए अस्पतालों की आवश्यकता है, वैसे ही इस बीमारी के प्रति जागरूकता फैलाने वाले केंद्रों की भी जरूरत है। विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों और कार्यालयों में ऐसे केंद्र स्थापित कर सप्ताहांत में विशेषज्ञों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएँ, तो इसका सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। सबसे बढ़कर, माता–पिता की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने बच्चों को कैंसर के खतरों के बारे में बताएँ और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाएँ। छोटी उम्र से ही स्वस्थ खान–पान की आदतें सिखाना अत्यंत आवश्यक है। यही भविष्य में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय साबित हो सकता है।

म्यांमार में बढ़ता ड्रोन युद्ध

म्यांमार के ड्रोन युद्ध का पहला चरण विद्रोहियों के पक्ष में था। जंगलों, पहाड़ियों और सीमावर्ती क्षेत्रों में लड़ रहे युवा लड़ाकों के पास न तो पर्याप्त गोलियां थीं, न भारी हथियार और न ही कोई वायुसेना। ऐसे में छोटे व्यावसायिक ड्रोन उनके लिए एक प्रभावी हथियार बनकर उभरे। इन ड्रोन की मदद से वे सैन्य टुकड़ियों पर नजर रखते थे, चौकियों पर विस्फोटक गिराते थे, जमीनी हमलों का मार्गदर्शन करते थे और उन प्रतिरोधी समूहों को वह क्षमता प्रदान करते थे जिस पर लंबे समय से सेना का एकाधिकार थाकृ आसमान से हमला करने की शक्ति।

अब यह युद्ध एक अधिक खतरनाक दूसरे चरण में प्रवेश कर चुका है। वर्षों तक ड्रोन हमलों का सामना करने के बाद सैन्य शासन ने भी विद्रोहियों की रणनीति अपनाई, अपना ड्रोन बेड़ा बढ़ाया और मानव रहित विमानों का उपयोग सेना–विरोधी बलों की निगरानी, उत्पीड़न और उन पर हमले करने के लिए शुरू कर दिया। इसके जवाब में प्रतिरोधी समूह अब केवल हमले के लिए ही ड्रोन का उपयोग नहीं कर रहे हैं, बल्कि उनसे बचाव के उपाय भी विकसित कर रहे हैं। इनमें जैमर, ड्रोन मार गिराने की तकनीकें, अस्थायी प्रतिरक्षा उपाय और बढ़ते हुए एफपीवी (थ्च्ट) इंटरसेप्टर ड्रोन जैसी रणनीतियाँ शामिल हैं।

म्यांमार का गृहयुद्ध अब एक ऐसा ड्रोन युद्ध बनता जा रहा है, जिसमें ड्रोन ही ड्रोन से लड़ रहे हैं।

फरवरी 2021 में सेना द्वारा निर्वाचित सरकार की नेता Aung San Suu Kyi को अपदस्थ करने के बाद म्यांमार देशव्यापी संघर्ष में टूट गया। इस संघर्ष में सैन्य जुंटा, लंबे समय से सक्रिय जातीय सशस्त्र संगठन, तख्तापलट के बाद बने पीपुल्स डिफेंस फोर्स (च्क्थ्) और छाया सरकार नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (छन्ळ) से जुड़े समूह शामिल हैं। इस संघर्ष ने हजारों लोगों की जान ली है और लाखों को विस्थापित कर दिया है। हालांकि, इस दौरान सैन्य संतुलन भी अप्रत्याशित रूप से बदल गया।

प्रतिरोध आंदोलन की शुरुआत लगभग खाली हाथ हुई थी। इसके कई सदस्य छात्र, प्रोग्रामर, इंजीनियर, डिलीवरी कर्मी, किसान और पूर्व शहरी प्रदर्शनकारी थे, जो सेना द्वारा प्रदर्शनों को कुचलने के बाद जंगलों और सीमावर्ती क्षेत्रों में चले गए थे। उनके सामने एक ऐसी सेना थी जिसके पास रूसी और चीनी लड़ाकू विमान, तोपखाना, बख्तरबंद वाहन और दशकों का युद्ध अनुभव था।

लेकिन उनके पास एक और ताकत थीकृवैश्विक उपभोक्ता ड्रोन बाजार तक पहुंच।

व्यावसायिक क्वाडकॉप्टर, कृषि ड्रोन, ऑनलाइन ट्यूटोरियल, 3डी प्रिंटर, स्पेयर पार्ट्स और सीमा पार तस्करी नेटवर्क म्यांमार के नए विद्रोही लॉजिस्टिक्स तंत्र का हिस्सा बन गए। संघर्ष निगरानी संस्था ।बस्म्व के अनुसार, प्रतिरोधी समूहों ने पहली बार दिसंबर 2021 में सगाइंग क्षेत्र के पाले टाउनशिप में ड्रोन का इस्तेमाल किया था। तब से अब तक 600 से अधिक स्थानों पर 2,100 से ज्यादा ड्रोन हमले दर्ज किए जा चुके हैं। ड्रोन विद्रोहियों की ''पूरी वायुसेना'' बन चुके हैं।

इस दौरान विशेष ड्रोन इकाइयाँ भी उभरीं। थ्मकमतंस ॅपदहे और ब्सवनक ॅपदहे जैसे संगठन ड्रोन अभियानों के लिए प्रसिद्ध हुए। Shar Htoo Waw ड्रोन तकनीक, प्रशिक्षण और नवाचार का प्रमुख केंद्र बन गया। कुछ समूह क्वाडकॉप्टर और हेक्साकॉप्टर का उपयोग करते हैं, जबकि अन्य लंबी दूरी वाले फिक्स्ड–विंग ड्रोन तैयार करते हैं। इनमें कैमरे, फर्स्ट–पर्सन–व्यू (FPV) सिस्टम, बड़े पेलोड और आत्मघाती हमले की क्षमताएँ जोड़ी गईं। इन तकनीकों को प्राप्त करने और विकसित करने की प्रक्रिया इस युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण कहानी है। यह किसी एक आपूर्ति श्रृंखला पर आधारित नहीं है, बल्कि एक ''बाजार आधारित युद्ध'' है। कुछ ड्रोन चीन और थाईलैंड की सीमाओं से व्यावसायिक या कृषि उपकरणों के रूप में आयात किए जाते हैं। बेपद छंजपवदंस ।तउल ने ब्रिटिश अखबार जीम ळनंतकपंद को बताया कि उनके कई ड्रोन चीन और कुछ पश्चिमी देशों से आए हैं। कमांडरों के अनुसार अधिकांश उपकरण चीन और थाईलैंड की सीमाओं के जरिए पहुंचते हैं, जबकि भारत में नियंत्रण अधिक कड़ा होने के कारण वहां से आपूर्ति सीमित है। अन्य समूह अलग–अलग पुर्जे खरीदकर स्वयं ड्रोन तैयार करते हैं। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, ।दहतल ठपतक क्तवदम त्दहमते नामक एक विद्रोही इकाई, जिसका नेतृत्व एक पूर्व लंबी दूरी के बस चालक ने किया, शुरुआत में टोही के लिए छोटे क्श्रप् ड्रोन इस्तेमाल करती थी। बाद में उसने ज्पाज्वा, Instagram और YouTube से प्राप्त निर्देशों की मदद से बड़े सशस्त्र ड्रोन विकसित किए। कई आवश्यक पुर्जे क्षेत्रीय ई–कॉमर्स प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध थे। पूर्वी म्यांमार में ''3D'' नाम से प्रसिद्ध एक नेटवर्क इंजीनियर ने Karenni Nationalities Defence Force (KNDF) के लिए 3डी प्रिंटरों को उन्नत किया, जिनकी सहायता से ड्रोन, मोर्टार स्टेबलाइजर और अन्य युद्ध उपकरण बनाए गए। यूक्रेन के नवाचारों से प्रेरित एक फिक्स्ड–विंग ड्रोन डिजाइन में 3डी–प्रिंटेड फ्रेम और थाई सीमा से तस्करी कर लाए गए अन्य पुर्जों का उपयोग किया गया। एक ड्रोन की उत्पादन लागत लगभग 5,000 अमेरिकी डॉलर बताई गई।

यह कोई परिष्कृत रक्षा उद्योग नहीं है, बल्कि युद्धकालीन कुटीर उद्योग है, जो प्रवासी समुदायों के दान, सीमा व्यापार, इंटरनेट से मिली जानकारी, स्थानीय कार्यशालाओं और युद्धक्षेत्र में हुए प्रयोगों के सहारे खड़ा हुआ है। कुछ ड्रोन टीमें छद्मावरण जालों के नीचे काम करती हैं, जबकि अन्य सौर ऊर्जा या जनरेटर से अपने उपकरण चार्ज करती हैं। इंटरनेट के लिए ैजंतसपदा का उपयोग किया जाता है और स्पेयर पार्ट्स की कमी को पूरा करने के लिए 3डी प्रिंटरों पर निर्भर रहना पड़ता है। शुरुआती परिणाम बेहद प्रभावशाली रहे। 2023 के अंत में शुरू हुए व्चमतंजपवद 1027 के दौरान प्रतिरोधी बलों ने उत्तरी शान राज्य में सैन्य ठिकानों पर ड्रोन झुंड हमले किए। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार पीछे हट रहे एक सैनिक ने कहा कि ड्रोन से गिराए जा रहे बम ''बारिश की तरह'' बरस रहे थे। ड्रोन ने पैदल सेना की जगह नहीं ली, लेकिन उन्होंने सेना की रक्षात्मक रणनीति को बाधित कर दियाकृ पहले निगरानी, फिर ड्रोन हमला और उसके बाद जमीनी आक्रमण। इस संघर्ष का प्रतीकात्मक चरम अप्रैल 2024 में देखने को मिला, जब प्रतिरोधी बलों ने राजधानी छंलचलपजूं में सैन्य ठिकानों पर समन्वित ड्रोन हमलों का दावा किया। नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट के अनुसार पीपुल्स डिफेंस फोर्स की विशेष इकाइयों ने हवाई अड्डे और सैन्य मुख्यालय को निशाना बनाया, जबकि जुंटा ने दावा किया कि उसने दर्जनों ड्रोन नष्ट या जब्त कर लिए। भले ही नुकसान की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई, लेकिन इस हमले ने राजधानी की अभेद्य सुरक्षा की छवि को झटका दिया।

हालांकि सेना भी सीख रही थी। 2024 तक म्यांमार की सेना ने विद्रोहियों के ड्रोन युद्ध का अपना संस्करण विकसित करना शुरू कर दिया। उसने हजारों चीनी व्यावसायिक और कृषि ड्रोन खरीदे तथा उन्हें स्थानीय रूप से निर्मित हथियारों से लैस किया। विडंबना यह थी कि जिन हथियारों ने दक्षिण–पूर्व एशिया की सबसे भयभीत सेनाओं में से एक को शर्मिंदा किया था, वही अब उसी सेना के हाथों में थे। ACLED के अनुसार, प्रतिरोधी बलों की सफलता के बाद सेना ने अपने निवेश में तेजी लाई। अब सेना ड्रोन का उपयोग केवल एक उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि संयुक्त हवाई अभियान के हिस्से के रूप में कर रही है। इसमें निगरानी ड्रोन से प्रतिरोधी ठिकानों की पहचान, हवाई निगरानी के आधार पर तोपखाने की सटीक गोलाबारी, लक्ष्य पर मंडराने वाले कामिकाजे ड्रोन और इन्फ्रारेड तथा थर्मल सेंसर से लैस रात्रि अभियान संचालित करने वाले ड्रोन शामिल हैं।

क्या सऊदी अरब अमेरिका–ईरान युद्ध में चुपचाप पाला बदल रहा है?

अमेरिका और ईरान के बीच हालिया तनाव में एक प्रमुख खिलाड़ी लगभग गायब दिखाई दे रहा हैकृसऊदी अरब का साम्राज्य (केएसए)। ईरान ने बहरीन और कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले किए और आश्चर्यजनक रूप से ओमान को भी निशाना बनाया, जो ईरान का सबसे मैत्रीपूर्ण खाड़ी देश माना जाता है तथा जहां दशकों से ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता होती रही है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सऊदी अरब कहीं दिखाई नहीं देता।

इसके विपरीत, सऊदी अरब ने ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता ''आयतुल्ला अली खामेनेई'' के अंतिम संस्कार में अपना प्रतिनिधिमंडल भेजा, जिनकी मृत्यु अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमले में हुई थी। वहीं सऊदी विदेश मंत्री ''प्रिंस फैसल बिन फरहान'' और ईरानी विदेश मंत्री ''अब्बास अराघची'' लगातार संपर्क में हैं।

वास्तव में, हाल के दिनों में सऊदी अरब का रुख युद्ध की शुरुआत के समय से काफी अलग दिखाई देता है। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर संयुक्त हमले शुरू किए जाने के तुरंत बाद ऐसी खबरें आई थीं कि सऊदी अरब ईरान के खिलाफ युद्ध का समर्थन कर रहा है। यह कुछ हद तक आश्चर्यजनक था क्योंकि 2023 में चीन की मध्यस्थता से सऊदी अरब और ईरान ने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए समझौता किया था। दोनों देशों ने राजनयिक संबंध बहाल किए थे और उच्चस्तरीय यात्राओं का आदान–प्रदान भी किया था।

रुरु सऊदी अरब की चिंताएँ

इसके बावजूद, ईरान को क्षेत्रीय शक्ति माना जाता रहा है और उसके परमाणु तथा बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम को पूरे क्षेत्र में संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। ईरान समर्थित समूहों ने लगभग सभी क्षेत्रीय शक्तियों को चुनौती दी है।

सऊदी अरब ने लगभग एक दशक तक यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ युद्ध लड़ा, जिनकी सीमा सीधे सऊदी अरब से लगती है। हूतियों ने सऊदी अरामको जैसी महत्वपूर्ण तेल सुविधाओं को भी निशाना बनाया। जब यह युद्ध निर्णायक परिणाम तक नहीं पहुंचा, तब सऊदी अरब को युद्धविराम करना पड़ा। यमन संघर्ष से बाहर निकलने की रणनीति के तहत ही उसने ईरान के साथ समझौते का रास्ता अपनाया।

इसलिए यह माना जाता था कि सऊदी अरब और अन्य खाड़ी देश ईरान में सत्ता परिवर्तन का स्वागत कर सकते हैं और अमेरिका–इजराइल से अपने रणनीतिक लक्ष्य हासिल करने की उम्मीद रखते होंगे। इसी कारण यह आश्चर्यजनक नहीं था कि सार्वजनिक रूप से शांति की अपील करने के बावजूद निजी तौर पर वे युद्ध के पक्ष में बताए जा रहे थे। लेकिन ईरान ने समीकरण बदल दिया।

नुकसान से मिला सबक

युद्ध शुरू होने से पहले ईरानी विदेश मंत्री ''अब्बास अराघची'' ने लगभग सभी खाड़ी देशों का दौरा किया और संभावित अमेरिकी या इजराइली हस्तक्षेप की स्थिति में समर्थन जुटाने का प्रयास किया। सऊदी क्राउन प्रिंस ''मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस)'' ने ईरानी राष्ट्रपति ''मसूद पेजेशकियन'' से फोन पर बातचीत भी की।

जब युद्ध शुरू हुआ तो ईरान ने पूरे खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले किए, जिनमें सऊदी अरब के ठिकाने भी शामिल थे। इन हमलों से इतनी क्षति हुई कि अमेरिका कथित तौर पर अपने कुछ ठिकानों को ईरान से दूर स्थानांतरित करने पर विचार करने लगा। ईरान ने केवल सैन्य ठिकानों को ही नहीं, बल्कि ''रास तनूरा रिफाइनरी'', ''ईस्ट–वेस्ट पाइपलाइन'', ''मनीफा'' और ''खुरैस तेल क्षेत्रों'' जैसी रणनीतिक ऊर्जा सुविधाओं को भी निशाना बनाया।

इसके अलावा, मार्च 2026 में ईरान ने ''होर्मुज जलडमरूमध्य'' को बंद कर दिया। इतिहास में पहली बार उठाए गए इस कदम से दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई और वैश्विक तेल कीमतें तेजी से बढ़ गईं।

रुरु सऊदी अरब पर प्रभाव

ईरान की इन कार्रवाइयों का सऊदी अरब पर गंभीर प्रभाव पड़ा। इससे अरबों डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ और पहली तिमाही में राजकोषीय घाटा बढ़ गया। साथ ही यह भी स्पष्ट हो गया कि अमेरिकी सुरक्षा गारंटी अचूक नहीं है।

सऊदी अरब ने अमेरिकी रक्षा समझौतों पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं। राष्ट्रपति ''डोनाल्ड ट्रंप'' के दूसरे कार्यकाल के दौरान पिछले वर्ष ही सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ 142 अरब डॉलर का रक्षा समझौता किया था। लेकिन अंततः अमेरिकी सैन्य अड्डे ही उसके लिए जोखिम का कारण बन गए।

होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से सऊदी अरब के तेल निर्यात और आयात दोनों प्रभावित हुए। इससे भी अधिक चिंता की बात यह रही कि उसके महत्वाकांक्षी ''छम्व्ड'' मेगा–प्रोजेक्ट में निवेशकों का भरोसा प्रभावित हुआ और कई परियोजनाएँ रोकनी पड़ीं। यह परियोजना सऊदी अरब की ''विजन 2030'' योजना का प्रमुख आधार है।

रुरु सतर्क यू–टर्न?

इसीलिए जब अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ''प्रोजेक्ट फ्रीडम'' शुरू किया, तो सऊदी अरब ने उसमें शामिल होने से इनकार कर दिया।

सऊदी नेतृत्व समझ चुका था कि आगे बढ़ने पर ईरान की ओर से और हमले हो सकते हैं। इसलिए वह लगातार तनाव कम करने और संयम बरतने की अपील करता रहा।

होर्मुज के बंद होने के बाद सऊदी अरब ने अपनी ''ईस्ट–वेस्ट पाइपलाइन'' के उपयोग को बढ़ाया, जो लाल सागर के तट पर स्थित यानबू बंदरगाह तक जाती है। लेकिन यहां भी एक बड़ी चुनौती थी। यदि ईरान होर्मुज को बंद कर सकता है, तो यमन में उसके सहयोगी हूती ''बाब–अल–मंदेब जलडमरूमध्य'' को भी बाधित कर सकते हैं और लाल सागर में जहाजों को निशाना बना सकते हैं। यदि ऐसा होता है, तो सऊदी अरब के लिए इसके परिणाम बेहद गंभीर होंगे।

हूतियों ने पहले भी यह साबित किया है कि वे सऊदी क्षेत्र के भीतर हमला करने की क्षमता रखते हैं। हालिया हमलों ने फिर दिखा दिया कि वे सीधे टकराव के लिए तैयार हैं।

मुस्लिम दुनिया में सऊदी अरब की भूमिका

सऊदी अरब की एक और बड़ी बाध्यता उसकी धार्मिक स्थिति है। मक्का और मदीना जैसे इस्लाम के दो सबसे पवित्र स्थलों का संरक्षक होने के कारण उसका पूरे मुस्लिम जगत में विशेष महत्व है।

सऊदी अरब विश्व के अधिकांश सुन्नी मुसलमानों का प्रमुख केंद्र माना जाता है, जबकि ईरान शिया समुदाय का प्रमुख प्रतिनिधि है। 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से यह प्रतिस्पर्धा दोनों देशों के संबंधों की मुख्य विशेषता रही है। हालिया युद्ध के बाद ईरान ने मुस्लिम दुनिया और वैश्विक दक्षिण के कई देशों में अपनी छवि मजबूत की है। लंबे समय से प्रतिबंधों और सीमित सैन्य संसाधनों के बावजूद उसने दो परमाणु शक्तियोंकृअमेरिका और इजराइलकृका मुकाबला किया। इससे उसकी लोकप्रियता बढ़ी है। सऊदी अरब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकता। विशेष रूप से तब, जब उसके पास लगभग 3.5 करोड़ की आबादी है, जिनमें अधिकांश युवा हैं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान देश के आधुनिकीकरण के लिए व्यापक सुधार लागू कर रहे हैं और युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करने का प्रयास कर रहे हैं।

यह बदलाव पहले से तैयार हो रहा था

इसीलिए अमेरिका के युद्ध विस्तार का समर्थन करने से सऊदी अरब का इनकार और ईरान की ओर बढ़ती उसकी कूटनीतिक पहलें आश्चर्यजनक नहीं हैं। सऊदी अरब लगातार तनाव कम करने, संयम बरतने और बातचीत बहाल करने की वकालत कर रहा है। उसने ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान के प्रयासों का भी समर्थन किया है। आयतुल्ला खामेनेई के अंतिम संस्कार में सऊदी प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति भी इसी नीति का हिस्सा मानी जा सकती है। यही कारण है कि सऊदी अरब अब तक इजराइल के साथ ''अब्राहम समझौतों'' में शामिल होने से बचता रहा है।

जनजातीय उत्पादों को मिलेगा राष्ट्रीय बाजार: पोलवरम कलेक्टर

रम्पाचोडावरम, 15 जुलाई: पोलवरम जिला कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने कहा कि जिले के जनजातीय कारीगरों की पहचान कर उनके उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने के लिए प्रशासन विशेष कदम उठा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

बुधवार को आईटीडीए सभागार में ट्राइफेड और आईटीडीए के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित जनजातीय कारीगर पंजीकरण एवं सशक्तिकरण मेले में कलेक्टर ने कहा कि बांस से बने हस्तशिल्प, शहद, जैविक काजू, वन उत्पाद तथा पारंपरिक जनजातीय हस्तशिल्प की देशभर में अच्छी मांग है। उन्होंने जनजातीय कारीगरों से ट्राइफेड में पंजीकरण कराने का आग्रह किया ताकि उन्हें व्यापक विपणन सुविधाएं और सरकारी सहयोग मिल सके।

कलेक्टर ने कहा कि पंजीकृत कारीगरों को ट्राइफेड के माध्यम से राष्ट्रीय प्रदर्शनियों और विपणन मंचों से जोड़ा जाएगा, जिससे उन्हें बेहतर आय प्राप्त होगी। उन्होंने पारंपरिक जनजातीय कलाओं के संरक्षण के साथ–साथ स्थायी आजीविका के अवसर बढ़ाने पर भी जोर दिया। संयुक्त कलेक्टर सुरपति प्रशांत कुमार ने कहा कि इस पंजीकरण अभियान का उद्देश्य जनजातीय कारीगरों को ट्राइफेड के राष्ट्रीय विपणन नेटवर्क और 'ट्राइब्स इंडिया' बिक्री केंद्रों से जोड़ना है, जिससे उन्हें बेहतर बाजार और स्थायी आय के अवसर मिलेंगे।

ट्राइफेड के क्षेत्रीय प्रबंधक भास्कर झा ने पंजीकरण प्रक्रिया, पात्रता, उत्पाद खरीद प्रणाली तथा उपलब्ध सहायता योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि चयनित उत्पादों को ट्राइफेड के राष्ट्रीय विपणन नेटवर्क के माध्यम से देशभर में बढ़ावा दिया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने जनजातीय उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और कारीगरों से संवाद किया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारी, ट्राइफेड एवं आईटीडीए के कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में जनजातीय कारीगर उपस्थित रहे।

पाइपलाइन कार्यों के बाद सीसी सड़कों की तुरंत मरम्मत करें: कलेक्टर

नरसारावपेट, 15 जुलाई: पलनाडु जिला कलेक्टर कृतिका शुक्ला ने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन और वॉटर ग्रिड परियोजनाओं के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सीसी सड़कों की मरम्मत कार्य पूरा होते ही तुरंत की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों पर जुर्माना लगाया जाएगा।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक में कलेक्टर ने ध240 करोड़ की लागत वाली 604 परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करने, पेयजल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और इस वर्ष दिसंबर तक वॉटर ग्रिड परियोजनाओं को चालू करने के निर्देश दिए।

24 जुलाई तक मतदाता विवरण सत्यापित करने का अवसर: जिला निर्वाचन अधिकारी

सभी पात्र नागरिक अपने नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित करें

रम्पाचोडावरम, 15 जुलाई (पेन पावर): पोलवरम जिले के जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर के. दिनेश कुमार ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे 24 जुलाई तक अपने मतदाता विवरण की जांच अवश्य कर लें। भारत निर्वाचन आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर–2026) कार्यक्रम के तहत मतदाता विवरण जमा करने और सत्यापन की अंतिम तिथि 24 जुलाई 2026 तक बढ़ा दी है। बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कलेक्टर ने बताया कि जिले के 399 मतदान केंद्रों पर जनता के सहयोग से विशेष पुनरीक्षण अभियान के सभी लक्ष्य 100 प्रतिशत सफलतापूर्वक पूरे किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिले के 2,78,518 मतदाताओं का सत्यापन किया गया, जिनमें से 2,38,294 मतदाताओं का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है। सत्यापन के दौरान 21,766 मृत मतदाता, 8,387 स्थानांतरित मतदाता, 5,494 अन्य स्थानों पर पंजीकृत मतदाता, 4,545 अनुपस्थित मतदाता तथा 32 अन्य श्रेणी के मामले चिन्हित किए गए। कलेक्टर ने कहा कि यदि स्थानांतरित (ौपजि डपहतंजपवद) श्रेणी में दर्ज कोई मतदाता अभी भी उसी मतदान क्षेत्र में रह रहा है, तो वह 24 जुलाई से पहले संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करे। सत्यापन के बाद निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करना निर्वाचन आयोग का मुख्य उद्देश्य है। लोगों से अपील की गई है कि वे अपने परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों और पड़ोसियों को भी अपने मतदाता विवरण की जांच करने के लिए जागरूक करें। कलेक्टर ने कहा कि जिले की मतदाता सूची को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाने के लिए जनसहयोग अत्यंत आवश्यक है।

आंध्र प्रदेश बनेगा आयुष चिकित्सा का प्रमुख केंद्र: स्वास्थ्य मंत्री

विजयवाड़ा, 15 जुलाई: आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्यकुमार यादव ने कहा कि राज्य सरकार ध414 करोड़ की लागत से आयुष क्षेत्र के विकास के लिए बड़े पैमाने पर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य को देश में आयुष चिकित्सा का प्रमुख केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। बुधवार को विजयवाड़ा में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन में मंत्री ने बताया कि चार नए आयुष कॉलेज, एकीकृत आयुष अस्पतालों की स्थापना तथा 1,500 से अधिक आयुष औषधालयों के आधुनिकीकरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से औषधीय पौधों की खेती अपनाने की अपील करते हुए कहा कि

सरकार विपणन और तकनीकी सहायता भी प्रदान करेगी। सम्मेलन में औषधीय एवं सुगंधित पौधों के प्रोत्साहन के लिए एक विशेष वेबसाइट का शुभारंभ किया गया तथा किसानों को औषधीय पौधों के बीज वितरित किए गए।

मुख्यमंत्री के दौरे की तैयारियां तेज, हेलिपैड और कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

रम्पाचोडावरम, 15 जुलाई: पोलवरम जिले के संयुक्त कलेक्टर सुरपति प्रशांत कुमार ने कहा कि प्रस्तावित मुख्यमंत्री दौरे को लेकर सभी तैयारियां तेजी से चल रही हैं। बुधवार को उन्होंने रम्पाचोडावरम के सरकारी डिग्री कॉलेज परिसर में बनाए जा रहे हेलिपैड तथा जूनियर कॉलेज मैदान में चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी कार्य समय पर और बिना किसी कमी के पूरा करने के निर्देश दिए। संयुक्त कलेक्टर ने कहा कि मुख्यमंत्री के दौरे से संबंधित आधिकारिक स्वीकृतियां मिलते ही कार्यक्रम का विस्तृत विवरण जनता को उपलब्ध कराया जाएगा। निरीक्षण में जिला राजस्व अधिकारी पी. अंबेडकर, तहसीलदार सी.एच. बालाजी, कार्यकारी अभियंता आई. श्रीनिवास राव तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खरीफ 2026 के लिए पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध: कलेक्टर

गुंटूर, 15 जुलाई: गुंटूर जिला कलेक्टर सी.एम. साइकांत वर्मा ने कहा कि खरीफ–2026 सीजन के लिए यूरिया सहित सभी प्रकार के उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे घबराएं नहीं और आवश्यकता से अधिक उर्वरकों की खरीद कर भंडारण न करें। उन्होंने बताया कि जुलाई माह के लिए लगभग 69 प्रतिशत उर्वरकों की बिक्री पहले ही पूरी हो चुकी है और शेष मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उर्वरकों की बिक्री पूरी तरह ई–पॉस प्रणाली के माध्यम से की जा रही है।

कालाबाजारी, अधिक कीमत वसूली, अवैध भंडारण और जबरन टैगिंग जैसी अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने जल हारतीदृजल धारा कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार की 100–दिवसीय कार्ययोजना के तहत जिले में तालाबों, नहरों और अन्य जल स्रोतों के पुनर्जीवन से 0.69 टीएमसी अतिरिक्त जल भंडारण क्षमता बढ़ी है। इससे वर्षा जल संरक्षण, भूजल स्तर में वृद्धि तथा कृषि और पेयजल आवश्यकताओं को दीर्घकालिक लाभ मिलेगा।

एससी–एसटी परिवारों को मुफ्त सौर बिजली: मंत्री डॉ. डोला

ओंगोल, 15 जुलाई: आंध्र प्रदेश के सामाजिक कल्याण मंत्री डॉ. डोला श्री बाल वीरांजनय स्वामी ने कहा कि राज्य सरकार एससी और एसटी परिवारों को 100 प्रतिशत मुफ्त सौर ऊर्जा उपलब्ध करा रही है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों से पीएम सूर्य घर योजना का लाभ उठाने की अपील की।

बुधवार को प्रकाशम जिले के तंगुटूर मंडल के तूरपु नायुडुपालेम में सौर पैनलों का शुभारंभ करते हुए मंत्री ने कहा कि एससी–एसटी परिवारों को पूरी सहायता और अन्य लाभार्थियों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना से बिजली बिल कम होंगे, अतिरिक्त बिजली सरकार को बेची जा सकेगी और भविष्य में बिजली की कमी दूर करने में मदद मिलेगी। मंत्री ने यह भी कहा कि गठबंधन सरकार ने बिजली क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं और राज्य के इतिहास में पहली बार बिजली शुल्क में ट्रू–डाउन लागू किया है।

महिला पुलिस थाने का औचक निरीक्षण, त्वरित जांच के निर्देश

गुंटूर, 15 जुलाई: गुंटूर जिला पुलिस अधीक्षक वकुल जिंदल (आईपीएस) ने बुधवार को महिला पुलिस थाने का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में त्वरित जांच, समय पर एफआईआर दर्ज करने और शीघ्र आरोपपत्र दाखिल करने के निर्देश दिए। एसपी ने पुलिस थाने के विभिन्न अनुभागों, अभिलेखों और लंबित मामलों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को सभी मामलों का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महिला पीड़ितों के साथ संवेदनशील और सम्मानजनक व्यवहार किया जाए तथा उन्हें सुरक्षित और भरोसेमंद वातावरण उपलब्ध कराया जाए। निरीक्षण के दौरान महिला पुलिस थाना डीएसपी श्रीनिवास रेड्डी, सीआई अंजैया, सीआई रमेश तथा अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

एपी उच्च शिक्षा शुल्क नियामक एवं निगरानी समिति के सदस्यों की नियुक्ति

अमरावती, 15 जुलाई: आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश उच्च शिक्षा शुल्क नियामक एवं निगरानी समिति के सदस्यों की नियुक्ति करते हुए आधिकारिक आदेश जारी किए हैं। ये नियुक्तियां आंध्र प्रदेश उच्च शिक्षा शुल्क विनियमन एवं निगरानी अधिनियम–2019 के प्रावधानों के तहत की गई हैं। सरकारी आदेशों के अनुसार, समिति के सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष या 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक रहेगा, इनमें से जो भी पहले होगा वही लागू माना जाएगा।

नियुक्त किए गए सदस्य

सरकार ने तिरुमलशेट्टी वेंकट रंग सत्य भानुमूर्ति को चार्टर्ड अकाउंटेंटध्लोक वित्त विशेषज्ञ श्रेणी में समिति सदस्य नियुक्त किया है। इसके अलावा डॉ. मन्याला रामलिंगा राजू और पूजारी हरि प्रकाश को उच्च शिक्षा प्रशासन श्रेणी के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। वहीं, वीवीआईटी यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. वासिरेड्डी विद्यसागर को निजी उच्च शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि के रूप में समिति में शामिल किया गया है। इन नियुक्तियों की अधिसूचना राज्य सरकार द्वारा आधिकारिक आदेशों के माध्यम से जारी की गई है।

बॉलीवुड जितना हिट नहीं है हॉलीवुड करियर

बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी बड़ा नाम कमा चुकी प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में प्रोड्यूसर बनने और अमेरिका में अपने करियर को आगे बढ़ाने को लेकर खुलकर बातें कीं। उसने कहा कि अब हॉलीवुड में नए कलाकारों और फिल्म प्रोड्यूसरों के लिए एंट्री की बाधाएं पहले की तुलना में काफी कम हो गई हैं। प्रियंका ने कहा, "मुझे लगता है कि अगर आपके पास कोई अच्छा विचार है तो आप उसे शूट कर सकते हैं, यू-ट्यूब पर डाल सकते हैं और वह 'ऑब्सेशन' जैसी बड़ी फिल्म बन सकती है, जो हाल ही में रिलीज हुई है। एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए यह बेहद शानदार समय है, क्योंकि आज के दौर में विचार ही आपकी सबसे बड़ी पूंजी हैं।

प्रियंका ने बताया कि जब उसने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था, तब हालात इतने आसान नहीं थे। पिछले एक दशक से हॉलीवुड में करियर बना रही प्रियंका ने कहा कि शुरुआत में उसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसका फिल्मी दुनिया से कोई संबंध नहीं था । हालांकि, उसने माना कि इतनी सारी इंटरनैशनल फिल्मों और वैब सीरीज में काम करने के बावजूद हॉलीवुड में उसका काम भारतीय सिनेमा में उसके द्वारा अर्जित किए गए काम की तुलना में फीका पड़जाता है। उसने हॉलीवुड में अपने करियर को और विस्तार देने करियर' की इच्छा जाहिर की है ।

उसने कहा, अपने हिन्दी भाषा के फिल्मी करियर में मैंने सभी बेहतरीन फिल्ममेकर्स और बेहतरीन एक्टर्स के साथ काम किया है, मैंने अद्भुत कहानियां सुनाई हैं और अलग-अलग शैलियों में काम किया है जबकि अमेरिका में, हॉलीवुड में, अपने अंग्रेजी भाषा के काम में, मैंने वास्तव में उतना नहीं किया है। मेरे माता-पिता डॉक्टर थे, इसलिए हममें से किसी को नहीं पता था कि फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आगे बढ़ना है। जब मैंने शुरुआत की, तब यह बहुत सीमित और खास लोगों तक पहुंच वाला क्षेत्र था । अगर आपको फिल्म निर्माण में आना होता था तो पहले यह तय करना पड़ता था कि आप किस विभाग में काम करना चाहते हैं।

प्रियंका ने अपने करियर के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि उसे बताया गया था कि भारतीय सिनेमा की सीमाएं हैं ।

उसने कहा, ₹मुझे बताया जाता था कि भारतीय सिनेमा कभी हॉलीवुड जितना ग्लोबल नहीं होगा, क्योंकि हमारी फिल्में अंग्रेजी में नहीं बनतीं और हर कोई हिन्दी, तेलुगु, मराठी या अन्य भारतीय भाषाओं को नहीं समझता ।

अपना प्रोडक्शन हाऊस शुरू करने का कारण बताते हुए उसने कहा, मैं ऐसे नए फिल्मकारों का समर्थन करना चाहती हूं जिनके पास शानदार विचार हैं, लेकिन उनके पास उन अवसरों तक पहुंच नहीं है, जिन तक मैं उन्हें पहुंचाने में मदद कर सकती हूं।

प्रियंका का मानना है कि स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और कोविड- 19 महामारी के दौरान बदली दर्शकों की आदतों ने दुनिया भर की सामग्री को नए दर्शक दिए हैं। उसके अनुसार, अब लोग विभिन्न देशों और भाषाओं की कहानियों को पहले से कहीं ज्यादा अपनाने लगे हैं, जिससे ग्लोबल एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में नई संभावनाएं पैदा हुई हैं।

मां बनने के बाद अपनी जिंदगी में बदलाव पर उसने कहा, " आपकी प्राथमिकताएं वाकई बदल जाती हैं। अब मैं यूं ही सामान पैक करके फिल्म देखने नहीं निकल जाती। मैं साल में 5 फिल्में नहीं करती। मैं पहले की तरह ट्रैवल नहीं करती। मैं अपने साथ समय बिताने वाले लोगों को लेकर बहुत ही चुनिंदा हो गई हूं, मैं कामकाजी मां की जिंदगी को संभाल रही हूं।

अक्षरा सिंह ने की बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत

भोजपुरी सिनेमा के कलाकारों का डंका अब सिर्फ यू.पी. - बिहार तक ही नहीं, बल्कि मायानगरी मुंबई से लेकर साऊथ फिल्म इंडस्ट्री तक जोर-शोर से बज रहा है। हाल ही में भोजपुरी गायिका - अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार की मल्टी- स्टारर कॉमेडी फिल्म 'वैल्कम टू द जंगल' से हिन्दी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की है।

खुद अक्षरा ने इस बड़े प्रोजैक्ट को अपने करियर का एक शानदार मोड़ माना है और इसके तुरंत ही बाद उसके हाथ एक और बड़ी फिल्म लग चुकी है। फिल्म 'वैल्कम टू द जंगल' के मजेदार गाने ' घिस घिस घिस ' में अक्षय के साथ अक्षरा का देसी और एनर्जेटिक अंदाज दर्शकों को बेहद पसंद आया, और यह गाना सोशल मीडिया से लेकर चार्टबस्टर लिस्ट तक पर एक बड़ा हिट साबित हुआ।

अक्षरा की यह कामयाबी इस बात का साफ इशारा है कि अब मेनस्ट्रीम की बड़ी फिल्मों में भोजपुरी स्टार्स और वहां के गानों की डिमांड काफी बढ़ गई है, जो फिल्म के बिजनैस और पहुंच को एक नए मुकाम पर ले जा रही है। एक समय था जब भोजपुरी सिनेमा के अंदाज को बहुत रीजनल या ठेठ मानकर मुख्यधारा की फिल्मों से थोड़ा अलग रखा जाता था लेकिन आज वक्त पूरी तरह बदल चुका है।

अक्षरा के हाथ जो दूसरी बड़ी फिल्म लगी है वह है मैडॉक फिल्म्स की 'ईठा' जिसमें श्रद्धा कपूर लीड रोल में नजर आएगी। दिलचस्प बात है कि पिछली बार जब मैडॉक की फिल्म में श्रद्धा नजर आई थी, तो उसमें भी तगड़ा भोजपुरी कनैक्शन निकल कर सामने आया था।

बॉक्स ऑफिस पर करीब 880 करोड़ रुपए कमाने वाली 'स्त्री 2' में भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह ने सुपरहिट गाना ' आई नई' गाया था। यह फ्यूजन गाना वायरल हो गया था और इस हॉरर-कॉमेडी ब्लॉकबस्टर फिल्म में एक खास देसी रंग जोड़ दिया था। अब देखना होगा कि पवन के बाद अक्षरा श्रद्धा के लिए लक्की होती है या नहीं।

सोफी चौधरी ने खोल दिया अपनी सुंदरता का राज

लैमर की दुनिया में चा बनाने वाली सोफी चौधरी दो दशक से ज्यादा समय से मनोरंजन जगत का हिस्सा हैं। कभी लोकप्रिय वीडियो जॉकी के रूप में पहचान बनाने वाली सोफी आज एक बेहतरीन लाइव परफॉर्मर और इवेंट होस्ट के तौर पर जानी जाती है । खुद को 'स्टेज क्वीन' कहने वाली सोफी की चमक-दमक के पीछे घंटों की मेहनत और खास ब्यूटी रूटीन छिपी है। सोफी ने अपनी खूबसूरती के राज और मेकअप से जुड़े कई सीक्रेट्स शेयर करते हुए बताया कि उम्र बढ़ने के साथ उसने खुद को स्वीकार करना सीखा है। पहले वह अपनी छोटी- छोटी कमियों को लेकर परेशान रहती थी, लेकिन अब उसे लगता है कि यही कमियां इंसान को खास बनाती हैं । सोफी ने कहा कि युवा उम्र में लोग दूसरों की सलाह और राय को बहुत गंभीरता से लेते हैं, लेकिन समय के साथ यह समझ आती है कि सबसे बड़ा सहारा खुद का होना चाहिए। उसका मानना है कि हर व्यक्ति को अपना सबसे बड़ा, प्रशंसक बनना चाहिए। बात जब स्किन केयर की आती है तो सोफी इसे बेहद गंभीरता से लेती है। उसका कहना है कि दिनभर मेकअप में रहने के बाद रात की स्किन केयर सबसे ज्यादा जरूरी है। वह चाहे कितनी भी थकी हो, मेकअप हटाए बिना कभी नहीं सोती । सोफी अपनी नाइट रूटीन में पहले चेहरे की अच्छी तरह सफाई करती है, फिर फोमिंग फेसवॉश, टोनर, सीरम और मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करती है । उसका मानना है कि अच्छी त्वचा ही खूबसूरत मेकअप की असली नींव होती है। रैड कार्पेट लुक की बात करें तो सोफी के लिए सबसे जरूरी चीज है 'हाइलाइटर' ।

गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं : तमन्ना

उस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी। मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।

तमन्ना भाटिया ने भारतीय फिल्म उद्योग में एक लंबा सफर तय किया है। 'बाहुबली' जैसी पैन-इंडिया फिल्मों में अभिनय करने से लेकर 'लस्ट स्टोरीज 2' के साथ ओ.टी.टी. पर डेब्यू करने और फिल्म 'स्त्री 2' में ' आज की रात' जैसे डांस नम्बरों तक, अपने करिश्मे और आकर्षण के कारण तमन्ना दर्शकों के दिलों में बसी है । आज तमन्ना हिंदी के साथ साऊथ की फिल्मों में बिजी है।

तमन्ना ने हाल ही में साऊथ सिनेमा को लेकर कुछ ऐसा कहा है जिसने एक नई बहस छेड़ दी है। उसका कहना है कि हिंदी सिनेमा की तुलना में साऊथ में महिलाओं को देखने का नजरिया अलग है। तमन्ना ने एक इंटरव्यू के दौरान साऊथ फिल्म इंडस्ट्री में अपने बुरे अनुभवों को लेकर बात की। साथ ही यह भी बताया कि ये उसके खुद के निजी अनुभव और राय हैं । उसके अनुसार साऊथ में पुरुष प्रधान सोच ज्यादा है और वहां महिलाओं को जिस नजरिए से देखा जाता है वह 'बहुत अच्छा नहीं' है ।

साऊथ और बॉलीवुड के बीच का फर्क समझाते हुए उसने कहा, हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में दो तरह के एक्टर्स होते हैं । जो लोग चीजों को ज्यादा आर्टिस्टिक नजरिए से देखते हैं, वे कुछ खास तरह के किरदारों के लिए ज्यादा बेहतर होते हैं। हो सकता है कि वे हमेशा ग्लैमरस गाने और डांस वाले नंबर न करें। असल में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री आपको दोनों में से कोई एक या दोनों ही करने का मौका देती है, और जो दोनों करते हैं, वे आखिरकार सुपरस्टार बन जाते हैं।

उसने आगे बताया कि जब साऊथ में डेब्यू किया था, उसी वक्त वह इन चीजों को समझ गई थी। उसने कहा, यह एक खास तरह की नजर है। इसमें पितृसत्तात्मक सोच झलकती है या फिर यह ऐसी नजर है जो तारीफ करने वाली नहीं होती। मुझे लगा कि मैं इसके हर पहलू को समझ गई थी । साऊथ में आपको इससे बचने के लिए स्टार क्वालिटी की जरूरत होती है । मुझे लगता है कि इस मामले में साऊथ का सिनेमा काफी पाबंदियों वाला है । मैं ट्रेंड डांसर नहीं, पहले रिहर्सल करनी पड़ती है

तमन्ना ने साऊथ सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' के हिट गाने 'कावाला' से देशभर में जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। इस गाने में उसके डांस और अंदाज की खूब तारीफ हुई थी लेकिन उसका मानना कि वह इसमें और बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी । हाल ही में उसने इस बारे में बात की और बताया कि उस समय उसके मन में क्या चल रहा था। दरअसल, निर्देशक और कोरियोग्राफर फराह खान अपने यू- ट्यूब ब्लॉग के लिए तमन्ना के घर पहुंची थी । इस दौरान उसने तमन्ना के करियर, उसके लोकप्रिय गीतों और एक्टिंग के सफर को लेकर बातचीत की। जब गाने 'कावाला' का जिक्र आया तो तमन्ना ने कहा कि वह अपने प्रदर्शन से पूरी तरह संतुष्ट नहीं थी। उसने कहा, जब इस गाने की शूटिंग पूरी हुई, तब मुझे महसूस हुआ कि मैं इससे बेहतर कर सकती थी । तमन्ना की बात सुनकर फराह खान ने भी अपनी राय रखी। उसने कहा, तमन्ना का स्वभाव ही ऐसा है कि वह हमेशा अपने काम को बेहतर बनाने की कोशिश करती है । उसने मजाकिया अंदाज में कहा, तमन्ना उन लोगों में से है, जिन्हें हर बार लगता है कि वह और अच्छा कर सकती थीं । इस पर तमन्ना ने भी सहमति जताई और बताया कि वह अपने हर प्रोजैक्ट के लिए पूरी मेहनत करती । उसने कहा, मैं ट्रेंड डांसर नहीं हूं, इसलिए किसी भी गाने के लिए मुझे पहले ज्यादा रिहर्सल करनी पड़ती है ।

इसी बातचीत में तमन्ना ने अपने दूसरे चर्चित गाने 'आज की रात' का भी जिक्र किया। उसने बताया, इस गाने के लिए मैंने करीब 15 दिन रिहर्सल की थी । मैं चाहती थी कि गाने के हर स्टैप और हर एक्सप्रैशन को अच्छी तरह समझकर परफॉर्म करूं। मुझे तैयारी के लिए समय देना पसंद है, इससे मैं बेहतर परफॉर्म कर पाती हूं।

फिल्मों में आइटम नंबर्स को लेकर तमन्ना दो टूक

तमन्ना वह अभिनेत्री है जिसने अपनी अदाकारी का जलवा हिंदी से लेकर साऊथ सिनेमा तक बखूबी बिखेरा है लेकिन मौजूदा समय में वह आइटम सॉन्ग्स के लिए जानी जाती है । 'स्त्री 2' और 'रेड 2 ' जैसी कई फिल्मों और वैब सीरीज में तमन्ना ने अपने आइटम सॉन्ग्स से फैंस के दिलों पर बिजली गिराने का काम किया है। उसने आइटम नंबर्स के चुनाव को लेकर भी खुलकर बात की है।

क्यों चुनी आइटम नंबर्स की राह

'कावाला' और 'आज की रात' जैसे गानों के बाद तमन्ना की लोकप्रियता में खूब बढ़ी है। कुछ रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया कि तमन्ना ने इन डांस नंबरों के लिए एक फिल्म करने की फीस से भी ज्यादा पैसे लिए। ऐसे में तमन्ना की यह रणनीति अभिनेत्रियों के लिए एक बिजनैस मॉडल बन सकती है।

इस पर उसने कहा, मैंने उन डांस नंबर्स को इस सोच के साथ नहीं किया था कि यह एक बिजनैस मॉडल बन जाएगा। मुझे लगता है कि हम उस समय में हैं, जहां आपका प्रभाव ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि आप कितने समय के लिए स्क्रीन पर दिखते हैं । 'आप प्रोजैक्ट के किसी भी हिस्से में परफॉर्म कर सकते हैं, लेकिन सबसे ज्यादा मायने यह रखता है कि उसमें आप कितना प्रभावित कर पाते हैं। वर्तमान समय में आपको इंडस्ट्री में इसी के हिसाब से मान्यता मिलती है इसलिए मैं अपनी छोटी से छोटी उपस्थिति में भी ज्यादा से ज्यादा प्रभाव डालने की कोशिश करती हूं, क्योंकि मेरा उद्देश्य हमेशा ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच पहुंचने का रहा है। फिर वह बात एक्टिंग की हो या अपने बिजनैस की ।

तमन्ना की अगली फिल्में

तमन्ना अब सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'वन : फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' में नजर आएगी । यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को रिलीज होगी। दीपक मिश्रा के डायरैक्शन में बनी इस फिल्म में तमन्ना के साथ मनीष पॉल, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और अनूप सोनी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

अब मुझे किसी के साथ इंटिमेट नहीं होना : आकांक्षा चमोला

लॉकअप 2 में आकांक्षा चमोला आए दिन अपने जीवन के बड़े-बड़े राज खोल रही हैं। कुछ दिन पहले ही उन्होंने बताया था कि वो बाईसेक्शुअल हैं। अब उनके बयान फिर से बदलते हुए दिख रहे हैं। शो के दौरान दूसरे कंटेस्टेंट्स से बात करते हुए आकांक्षा ने कहा कि वह एसेक्सुअल हैं, वो अब दोबारा शादी नहीं करना चाहती और न हो वो अब किसी के साथ इंटिमेट होना चाहती हैं।

मैं एसेक्सुअल हूं

इसके बाद आकांक्षा चमोला ने बताया कि उनके मन में अब रिस्तो को शारीरिक नजदीकियों को लेकर एक डर पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि इंसान की कामुकता समय और हालात के साथ बदल जाती है। फ़िलहाल उनके ये लिए समय सही नहीं चलो रहा है और चाहे फिर वो पुरुष और या कोई औरत वो किसी के साथ भी संबंध नहीं बनाना चाहतीं। उन्होंने अपने मौजूदा भावनात्मक चरण को एसेक्सुअल बताया।

कुछ समय पहले बताया था कि मैं बाईसेक्शुअल हूं

शो के दौरान जब श्रेया कालरा ने आकांक्षा चमोला की एक निजी बात का जिक्र करते हुए उन्हें बाइसेक्शुअल बताया, तो इस पर आकांक्षा ने खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि शायद श्रेया को ऐसा इसलिए लगा क्योंकि वह सभी के साथ खुलकर और मजाकिया अंदाज में रहती हैं

आकांक्षा ने बताया कि उन्होंने कभी खुद श्रेया से यह बात साझा नहीं की थी लेकिन यह उनकी निजी जिंदगी का एक हिस्सा रहा है। उन्होंने कहा की शादी से पहले वह खुद को बाइसेक्शुअल मानती थीं और कुछ महिलाओं के साथ रिलेशनशिप में भी रह चुकि हैं। हालांकि, उन रिश्तो में किसी तरह की शारीरिक नजदीकी नहीं थी।

इसके बाद उन्होंने बताया की वो महिलाओं के साथ ज्यादा सहज और सुरक्षित महसूस करती हैं। उनके मुताबिक, पुरुष-प्रधान माहौल में महिलाओं के साथ एक अलग तरह का भरोसा और कम्फर्ट महसूस होता है। यही वजह है कि उन्हें महिलाओ की सकारात्मक और सुकून देने वाली ऊर्जा अपनी तरफ आकर्षित करती है।

जल्द ही गौरव-आकांक्षा लेंगे तलाक

2016 में आकांक्षा और गौरव ने शादी की थी लेकिन किस्मत ने दोनों का साथ नहीं दिया। लॉक अप 2' के प्रीमियर एपिसोड में आकांक्षा ने पहले दिन ही सबके सामने रिवील कर दिया कि वो दोनों जल्द ही तलाक लेने वाले हैं।

Printed and Published by **GANTYADA APPARAO** on behalf of **GANTYADA APPARAO**, Printed at Sri Sai Ganga Printers and Publishers Flat No: 504, Bharat Towers, 5th Lane, Dwaraka Nagar, Visakhaptanam, Andhra Pradesh-530016, and Published at H.NO: 38-4-216, MAHARANI STREET, MARRIPALEM, Visakhapatnam, Andhra Pradesh-530018, **Editor: GANTYADA APPARAO.** Mobile : 9059465965, **RNI : APHIN/26/A3657**, editorpenpower@gmail.com